

मौद्रिक नीतिसमीक्षा: आरबीआई

प्रलिस के लयि:

स्थायी जमा सुवधि, आरबीआई, मौद्रिक नीतिसमिति (MPC), मौद्रिक नीतिके साधन, आरबीआई के वभिन्न नीतगित दृष्टिकोण

मेन्स के लयि:

आरबीआई द्वारा मुद्रास्फीतिलक्ष्यीकरण, मौद्रिक नीति, स्थायी जमा सुवधि और इसका महत्त्व ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में लगातार ग्यारहवीं बार **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीतिसमीक्षा में मुख्य नीतिदर - **रेपो दर** को 4% पर अपरविरतित रखने का नरिणय लयिा है ।

- इसने अपने उदार रुख को भी बरकरार रखा है, लेकिन संकेत दयिा है कयिह मुद्रास्फीतिको नर्यितरतित करने के लयिा अधिशेष तरलता की क्रमकित और अंशांकित (कैलबिरेटेड) नकिसी में संलग्न होगा ।

इस मौद्रिक नीतिसमीक्षा का महत्त्व:

- रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव को स्वीकार करना:** कच्चे तेल और कमोडिटी की कीमतों में वृद्धितथा **यूक्रेन पर रूसी आक्रमण** के प्रभाव के मद्देनज़र आरबीआई ने वतित वर्ष 2022-23 के लयिा वृद्धि पूरवानुमान को **7.8% से घटाकर 7.2%** कर दयिा है ।
 - रूस-यूक्रेन युद्ध संभावित रूप से वसतुओं की बढ़ी हुई कीमतों और वैश्वकित सपलि-ओवर चैनलस के माध्यम से आर्थकित सुधार को बाधतित कर सकता है ।
- स्थायी जमा सुवधि:** रज़िर्व बैंक ने मुद्रास्फीतिको बढ़ावा देने वाली वतिततीय प्रणाली से 8.5 लाख करोड़ रुपए की अधिशेष तरलता को बाहर नकिलने के लयिा एक नए उपाय, स्थायी जमा सुवधि को तरलता को अवशोषतित करने हेतु एक अतरकित उपकरण के रूप में पेश कयिा है ।
- नीतगित रुख में बदलाव का संकेत:** यह मौद्रिक नीतिसमीक्षा संकेत देती है कयि रज़िर्व बैंक ने अंततः मुद्रास्फीतिसे नपिटने के लयिा अपनी प्राथमकितताओं को स्थानांतरतित कर दयिा है ।
 - ऐसे में आने वाले महीनों में इसकी प्रमुख नीतगित दर (रेपो रेट) में बढ़ोतरी की संभावना है ।
 - इसके अलावा रज़िर्व बैंक ने वतिततीय वर्ष 2022-23 में अपने मुद्रास्फीतिपूरवानुमान को पहले अनुमानतित 4.5% से बढ़ाकर 5.7% कर दयिा है, हालाँकयिह भी रज़िर्व बैंक के लक्ष्य के 6% के ऊपरी बैंड से कम है ।
- पूरव-महामारी स्तरों को प्राप्त करना:** रज़िर्व बैंक नीतपैनल ने तरलता समायोजन सुवधि (LAF) के तहत नीतदर को 50 आधार अंकों के पूरव-महामारी स्तर पर बहाल करके एक ठोस कदम उठाया है ।
 - इसका उद्देश्य मुद्रास्फीतिके दबाव को कम करना है ।
 - LAF मौद्रिक नीतिमें उपयोग कयिा जाने वाला एक उपकरण है जो बैंकों को पुनरखरीद समझौतों (रेपो) के माध्यम से RBI से धन उधार लेने या रविरस रेपो समझौते के माध्यम से RBI को धन उधार देने की अनुमतदितता है ।

स्थायी जमा सुवधि और इसकी भूमकित:

- परचय:** रज़िर्व बैंक ने 3.75% की ब्याज़ दर पर तरलता को अवशोषतित करने के लयिा एक अतरकित उपकरण- स्थायी जमा सुवधि (SDF) की शुरुआत की है ।
 - यह बना कसिी संपारश्वकित के तरलता को अवशोषतित करने के लयिा एक अतरकित उपकरण है ।
- पृष्ठभूमि:** वर्ष 2018 में भारतीय रज़िर्व बैंक अधनियम की संशोधतित धारा 17 ने रज़िर्व बैंक को SDF पेश करने का अधिकार दयिा था ।
- कार्यप्रणाली:** रज़िर्व बैंक पर बाध्यकारी संपारश्वकित बाधा को हटाकर SDF मौद्रिक नीतिके संचालन ढाँचे को मज़बूत करता है ।
 - तरलता प्रबंधन में इसकी भूमकित के अलावा SDF एक वतिततीय स्थरिता उपकरण भी है ।
 - SDF दर, पॉलिसी दर (रेपो दर) से 25 bps कम होगी और यह इस स्तर पर ओवरनाइट जमा पर लागू होगी ।

◦ हालाँकि यह उचित मूल्य निर्धारण के साथ जब भी आवश्यकता होती है, लंबी अवधि की तरलता को अवशोषित करने के लिये लचीलापन बनाए रखेगा।

- आवश्यकता: महामारी के मद्देनजर किये गए 'असाधारण' तरलता उपाय रज़िर्व बैंक के विभिन्न अन्य कार्यों के माध्यम से इंजेक्ट की गई तरलता के साथ वित्तीय प्रणाली में 8.5 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर की तरलता प्रदान करने में सक्षम रहे हैं।
 - SDF का मुख्य उद्देश्य सस्टिम में अतिरिक्त तरलता को कम करना तथा मुद्रासफीति को न्यंत्रित करना है।
- कार्यान्वयन: आरबीआई इस वर्ष की शुरुआत में गैर-वधितनकारी तरीके से एक बहु-वर्ष की समय सीमा में इस तरलता की क्रमिक और कैलब्रिटेड नकिसी में संलग्न होगा।

मौद्रिक नीतिकी लखितें	
रेपो दर	<ul style="list-style-type: none"> ▪ वह ब्याज दर जिस पर रज़िर्व बैंक चलनधि समायोजन सुवधि (LAF) के तहत सरकार और अन्य अनुमोदित प्रतभूतियों के संपारश्वक पर बैंकों को रातों-रात चलनधि प्रदान करता है।
रविर्स रेपो दर	<ul style="list-style-type: none"> ▪ वह ब्याज दर जिस पर रज़िर्व बैंक LAF के तहत बैंकों से रातों-रात आधार पर तरलता प्राप्त करता है।
तरलता समायोजन सुवधि	<ul style="list-style-type: none"> ▪ LAF में रातों-रात और साथ ही सावधि रेपो नीलामधियाँ शामिल हैं। ▪ सावधि रेपो का उद्देश्य इंटरबैंक सावधिक मनी मार्केट के विकास में मदद करना है, जो बदले में ऋण और जमा के मूल्य निर्धारण के लिये बाज़ार आधारित बेंचमार्क निर्धारित कर सकता है तथा इस प्रकार मौद्रिक नीतिके हस्तांतरण में सुधार करता है। ▪ RBI परिवर्तनीय ब्याज दर रविर्स रेपो नीलामी भी आयोजित करता है, जैसा कि बाज़ार की स्थितियों के तहत आवश्यक है।
सीमांत स्थायी सुवधि (MSF)	<ul style="list-style-type: none"> ▪ यह एक ऐसी सुवधि है जिसके तहत अनुसूचित वाणज्यिक बैंक रज़िर्व बैंक से ओवरनाइट मुद्रा की अतिरिक्त राशिको एक सीमा तक अपने सांवधिक चलनधि अनुपात (SLR) पोर्टफोलियो में गरिबट कर ब्याज की दंडात्मक दर ले सकते हैं। ▪ यह बैंकिंग प्रणाली को अपरत्याशति चलनधि झटकों के खिलाफ सुरक्षा वाल्व का कार्य करती है।
कॉरडोर	<ul style="list-style-type: none"> ▪ MSF दर और रविर्स रेपो दर भारत औसत कॉल मनी दर में दैनिक संचलन के लिये कॉरडोर को निर्धारित करते हैं।
बैंक दर	<ul style="list-style-type: none"> ▪ यह वह दर है, जिस पर रज़िर्व बैंक वनिमिय बलि या अन्य वाणज्यिक पत्रों को खरीदने या बदलने के लिये तैयार है। बैंक दर भारतीय रज़िर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 49 के तहत प्रकाशति की गई है। ▪ यह दर MSF दर से जुड़ी हुई है और इसलिये जब MSF दर पॉलरिसी रेपो रेट के साथ बदलती है तो स्वचालित रूप से परिवर्तित होती है।
नकदी आरक्षति अनुपात (CRR)	<ul style="list-style-type: none"> ▪ नविल मांग और समय देयताओं की हसिसेदारी जो बैंकों को रज़िर्व बैंक में नकदी शेष के रूप में रखनी होती है और इसे रज़िर्व बैंक द्वारा समय-समय पर भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है।
सांवधिक चलनधि अनुपात (SLR)	<ul style="list-style-type: none"> ▪ नविल मांग और समय देयताओं की हसिसेदारी जो बैंकों को अभारति सरकारी प्रतभूतियों, नकदी एवं स्वरण जैसी सुरक्षति व चल आस्तियों में रखना होता है। ▪ SLR में परिवर्तन अक्सर नज्जि कषेत्र के लिये उधार देने की बैंकिंग प्रणाली में संसाधनों की उपलब्धता को प्रभावित करता है।
खुला बाज़ार परचालन (OMO)	<ul style="list-style-type: none"> ▪ इसमें सरकारी प्रतभूतियों की एकमुशत खरीद/बिकिरी, टकिारु चलनधि डालना/अवशोषति करना क्रमशः दोनों शामिल हैं।
बाज़ार स्थरिकरण योजना (MSS)	<ul style="list-style-type: none"> ▪ मौद्रिक प्रबंधन के लिये इस लखित को वर्ष 2004 में आरंभ किया गया। ▪ बड़े पूंजी प्रवाह से उत्पन्न अधिक स्थायी प्रकृति की अधशेष चलनधि को अल्पकालिक सरकारी प्रतभूतियों और राजस्व बलियों की बिकिरी के ज़रिये अवशोषित किया जाता है। ▪ जुटाए जाने वाली नकदी को रज़िर्व बैंक के पास एक अलग सरकारी खाते में रखा जाता है।

आरबीआई के विभिन्न नीतित दृष्टिकोण

अकमोडेति (उदार)	<ul style="list-style-type: none"> ▪ एक उदार रुख का मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये मुद्रा आपूर्ति का वसितार करने हेतु नरिणय लेता है।
-----------------	---

	<ul style="list-style-type: none"> ■ केंद्रीय बैंक, एक उदार नीति अवधि के दौरान ब्याज दरों में कटौती करता है तथा दर में वृद्धि से इनकार करता है। ■ जब विकास को नीतित्वागत समर्थन की आवश्यकता होती है तथा मुद्रास्फीति तत्काल चिंता का वषिय नहीं रहती है तब केंद्रीय बैंक द्वारा आमतौर पर एक समायोजन नीति अपनाई जाती है।
तटस्थ	<ul style="list-style-type: none"> ■ एक 'तटस्थ रुख' से पता चलता है कि केंद्रीय बैंक या तो दर में कटौती कर सकता है या दर बढ़ा सकता है। ■ यह रुख आमतौर पर तब अपनाया जाता है जब नीतित्वागत प्राथमिकता मुद्रास्फीति और विकास दोनों मामलों में समान होती है। ■ मार्गदर्शन यह इंगति करता है कि बाजार किसी भी समय किसी भी तरह से दर में परिवर्तन हेतु कार्रवाई कर सकता है।
हॉकशि नीति	<ul style="list-style-type: none"> ■ इस प्रकार यह संकेत मलिता है कि केंद्रीय बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता मुद्रास्फीति को कम करना है। ■ ऐसे चरण के दौरान केंद्रीय बैंक मुद्रा आपूर्ति पर अंकुश लगाने और इस तरह मांग को कम करने के लिये ब्याज दरों में वृद्धि करने को तैयार रहता है। ■ यह नीति भी सख्त मौद्रिक नीति का संकेत देती है। ■ जब केंद्रीय बैंक दरें बढ़ाता है या कठोर मौद्रिक नीति अपनाता है, तो बैंक भी उधारकर्ताओं के लिये ऋण पर अपनी ब्याज दर में वृद्धि करते हैं, जो वृत्तीय प्रणाली में मांग को सीमति करता है।
कैलिबरेटेड नीति	<ul style="list-style-type: none"> ■ कैलिबरेटेड नीति का मतलब है कि मौजूदा दर चक्र के दौरान रेपो दर में कटौती तालिका से बाहर है। ■ हालाँकि दरों में वृद्धि एक कैलिबरेटेड तरीके से होगी। ■ इसका मतलब यह है कि केंद्रीय बैंक हर नीति बैठक के दौरान दर में वृद्धि नहीं करता है, लेकिन समग्र नीतित्वागत रुख दर वृद्धि की ओर झुका होता है। ■ यदि स्थिति उचित हो तो यह नीति बैठकों के बाहर भी हो सकती है।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. यदि भारतीय रिज़र्व बैंक एक वसितारवादी मौद्रिक नीति अपनाने का नरिणय लेता है, तो वह नमिनलखिति में से क्या नहीं करेगा? (2020)

1. वैधानिक तरलता अनुपात में कटौती और अनुकूलन
2. सीमांत स्थायी सुवधि दर में बढ़ोतरी
3. बैंक रेट और रेपो रेट में कटौती

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस